हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, गुरुवार 20 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने किया आँगनवाड़ी केन्द्र कजरवाड़ा का निरीक्षण

मंडला। नैनपुर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने आँगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक.2 कजरवाड़ा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी भवन में शेष निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की शैक्षणिक रूचि बढ़ाने के लिए वॉलपेंटिंग कराएं। खिड़कियों पर जालियाँ लगवाएं। मुख्य सड़क से आँगनवाड़ी केन्द्र तक सीसी रोड अथवा प्योर ब्लॉक लगाकर रास्ता बनवाएं। आंगनवाड़ी परिसर में पोषणवाटिका विकसित करें। इस दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीय चर्चा करते हुए आंगनवाड़ी केन्द्र में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा उन्हें प्रतिदिन आंगनवाड़ी आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निर्देशित किया कि बच्चों को नियमित रूप से कक्षाए गृह और श्यामपट कार्य का अभ्यास कराएंए जिससे बच्चों का शैक्षणिक स्तर बेहतर बन सके। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से मेन्यू के अनुसार मध्यान्ह भोजन देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमटए सीईओ जनपद पंचायत नैनपुर श्री विनोद मरावी सहित संबंधित उपस्थित थे।

प्रत्येक मोहल्ले में जल प्रदाय का समय निर्धारित करें: कलेक्टर

ग्राम पंचायत टाटरी में जल जीवन मिशन का निरीक्षण

मंडला -कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने संयुक्त भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत टाटरी द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत की बसाहट के चारों मोहल्लों में पेयजल प्रदाय के समय की जानकारी ली। साथ ही ग्रामवासियों से पेयजल की उपलब्धता को लेकर चर्चा की। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रतिदिन प्रत्येक मोहल्ले में जल प्रदाय का समय निर्धारित करेंए जिससे मोहल्लेवासियों का जल प्रदाय का निर्धारित समय अभ्यास में आए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रत्येक नल में टोंटी लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करेंए जिससे पेयजल का सदुपयोग हो सके। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत नैनपुर श्री विनोद मरावी सहित टाटरी पंचायत के सरपंचए सचिव तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ईव्हीएम व्हीव्हीपीएटी वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण 24 मार्च को

मंडला। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि रानी फूलकुंवर शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के पीछे स्थित ईव्हीएम् हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण 24 मार्च को दोपहर एक बजे किया जायेगा। उन्होंने राजनैतिक दलों से निर्धारित समय पर ईव्हीएम वेयरहाउस में स्वतः उपस्थित रहने अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि को भेजने की अपील की है।

घंसौर में करंट लगने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के घंसौर थाना क्षेत्र के कहानी गांव में बुधवार सुबह एक दुखद घटना सामने आई। खेत में ट्रैक्टर पर वेल्डिंग का काम करते समय एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। ग्राम परासी निवासी सुदान सिंह (30) ट्रैक्टर में डोजर मशीन लगाने के लिए वेल्डिंग कर रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। उसका बायां हाथ गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घंसौर पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी।

प्रशासन के फरमान से ट्रैक्टर संचालक परेशान

मजदूरों की फीकी रही होली, लोगों के रुक गए निर्माण

मण्डला

जिला के निवासी शिक्षित बेरोजगार लोग जीवन यापन के लिए बिल्डिंग मटेरियल सप्लायी का कार्य ट्रेक्टर ट्राली के माध्यम से करते हैं।चूंकि मण्डला आदिवासी बहुल जिला है और रोजगार के अन्य कोई साधन नहीं है। जिले के अधिकांश मजदूर वर्ग भवन निर्माण रेत खादान से गिट्टी क्रेशर से ट्रेक्टर ट्राली आदि में कार्य कर अपने परिवार का भरन पोषण कर रहे हैं। दिनांक 05.03.2025 को कलेक्टर मण्डला द्वारा यह आदेशित किया गया है की सुबह 6 बजे से रात्री 10 बजे तक बिल्डिंग मटेरियल वाले ट्रेक्टर वाहनो को नगर/शहर में प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है चूंकि मण्डला नगर से रेत खादान, गिट्टी क्रेशर, ईट भट्टे काफी दूर हैं। जो महिला मजदूरों के हिसाब से सुरक्षित नहीं है। हमारे मण्डला शहर के अंदर की गलिया/रास्ते बहुत ही संकीर्ण है और उसी रास्ते में स्थानीय निवासीयों के वाहन भी खड़े रहते हैं। जिससे मटेरियल वाले वाहनो का आना जाना संभव ही नहीं हैं एवं वाहन के शोरगुल से स्थानीय निवासियों को परेशानी होती है। प्रत्येक ट्रेक्टर ट्राली एवं डंफर गाडी में पुरूष एवं महिला दोनो वर्ग काम करतें है जिसके कारण महिला वर्ग का रात्री में कार्य करना संभव नहीं है। रात्रि काल में गाड़ी चलाने से ड्राईवर को नींद के कारण एक्सीडेंट की संभावना अधिक है।जिले में रेत, ईट, व गिट्टी केसर शहर से दूर है जिसके कारण रात्री में अंधेरा होन के कारण दूर्घटना होने की संभावना अधिक होगी। शहर में निर्माणाधीन घर जहाँ भी बन रहे हैं वहाँ के रास्ते सकरे है जिन रास्तो रात्री में प्राईवेट वाहन खड़े हो जाते है। जिस कारण गाडी चलाना सम्भव नहीं शहर मे रास्ते सकरे होने के कारण भवन मालिक द्वारा थोड़ी-थोडी मात्रा में मटेरियल लिया जाता है। भवन का निर्माण व लेंटर दिन में होता है जिससे निर्माण कार्य प्रभावित होगा रात्रि में गाडी खराब होने पर या पंचर होने पर गाडी को सुधरवाना कठिन है नो एंट्री का निश्चित समय होने के कारण सभी गाडी एक ही समय में पहुंचेगी जिससे एक्सीडेंट की सम्भावना और बढ़ जायेगी रात्रि कालीन शहर में कॉलोनियों में मटेरियल खाली करने एव गाडी की आवाज से शांती भंग होगी जिससे मोहल्ले वालो से लडाई की संभावना बढ़ जायेगी। जिले में रोजगार अभाव होने के कारण ट्रेक्टर एवं डम्फर द्वारा ग्रामीण जनता को रोजगार दिया जाता है। जिससे रोजगार प्रभावित होगा।

रंग पंचमी में महाआरती के अवसर पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

मंडलाः

रंग पंचमी के अवसर पर महाराजपुर नर्मदा संगम के संतोषी माता घाट में नर्मदा सेवा समिति के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम मां नर्मदा जी की महाआरती के पूर्व किया गया, इस अवसर पर बच्चों ने मां दुर्गा जी की स्तुति पर नृत्य प्रस्तुत किया साथ ही श्री राधा कृष्ण की महिमा पर नृत्य प्रस्तुत कर सबका मनमोहन लिया उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुष्प , गुलाल की वर्षा कर सभी बच्चों का अभिवादन किया। रंगपंचमी में भव्य महाआरती में प्रति दिनों की तरह आरती चौकी सजाई गई इस अवसर पर बड़ी संख्या में नर्मदा भक्त शामिल हो कर आरती के दौरान पुष्प वर्षा की महा आरती के पश्चात मिठाई और हलवा का प्रसाद वितरण किया गया। नर्मदा संगम महाराजपुर में महाआरती स्थल पर हो रहे विविध धार्मिक आयोजन।

महाराजपुर नर्मदा संगम तीर्थ स्थल संतोषी माता घाट में लगभग 3 माह से मां नर्मदा जी की महा आरती की जा रही है इन तीन माह में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया साथ ही नर्मदा तट की स्वच्छता को लेकर स्थानीय लोगों ने संकल्प के साथ नर्मदा तट की स्वच्छता का अभियान निरंतर जारी रखे हुए है। महाआरती में में नर्मदा भक्तों से लगातार मिल रहे सहयोग से विभिन्न धार्मिक आयोजन लगातार हो रहे हैं जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, स्मृति दिवस जैसे अवसरों में श्रद्धा भाव से स्थानीय नागरिक जन नर्मदा जी आरती करा कर पुण्य लाभ अर्जित कर नर्मदा संगम तट की स्वक्षता में सहयोगी की भूमिका निभा रहे हैं।

गोबर से फिसल रहे वाहन, घाट जाने का रास्ता भी अवरुद्ध, पशु मालिक नहीं दे रहे ध्यान

आजाद वार्ड की गलियों और चौराहों पर मवेशियों का जमावड़ा, राहगीरों को हो रही परेशानी

मंडला।

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और गली-मोहल्लों में आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आजाद वार्ड की गलियों और चौराहों पर मवेशियों का जमावड़ा यातायात बाधित कर रहा है। इनकी वजह से वाहन चालकों को सावधानीपूर्वक निकलना पड़ता है, फिर भी कई बार हादसे हो जाते हैं।बंजर चौक, लालपुर चौक और बस स्टैंड के आसपास बड़ी संख्या में मवेशी खड़े रहते हैं, जिससे भारी वाहनों और राहगीरों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। घाट जाने का रास्ता भी अवरुद्ध हो जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी होती है।इसके अलावा, संकरी गलियों में बैठे मवेशियों के कारण वाहन चालक और पैदल यात्री फिसलकर गिर रहे हैं, क्योंकि सड़कों पर गोबर फैला हुआ रहता है। कई बार इन मवेशियों की लड़ाई भी हादसों का कारण बन रही है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन मवेशियों के मालिक अपने पशुओं की कोई देखभाल नहीं कर रहे और उन्हें खुला छोड़ देते हैं। गायों और बैलों की वजह से सड़कों पर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे वाहन चालक और पैदल यात्री परेशान रहते हैं। जब भी नागरिक इन पशु मालिकों को समझाने की कोशिश करते हैं, तो वे अनदेखा कर देते हैं।स्कूली बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। कई बार ये मवेशी बच्चों को खदेड़ देते हैं, जिससे वे गिरकर चोटिल हो जाते हैं। स्थानीय लोग नगर पालिका से ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर पालिका को इस समस्या का शीघ्र समाधान निकालना चाहिए। नागरिकों ने मांग की है कि हांका गैंग को सक्रिय कर मवेशियों को कांजी हाउस भेजने की व्यवस्था की जाए और जो पशु मालिक अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं, उन पर जुर्माना लगाया जाए।अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो नागरिकों ने नगर पालिका के खिलाफ आंदोलन करने की चेतावनी दी है। आमजन की मांग है कि प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेकर उचित कदम उठाए, ताकि यातायात सुचारू रहे और दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

कलेक्टर ने किया माई की रसोई के शेड के निर्माण कार्य का निरीक्षण

मंडला -माहिष्मति घाट पर माई की रसोई के सामने बनाये जा रहे शेड के निर्माण कार्य का कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शेड निर्माण को शीघ्र पूर्ण करायें। शेड के पाइप और ग्रिल्स पर एक ही रंग से रंगाई कराएं। परिसर की नियमित साफ.सफाई कराएं। इस अवसर पर तहसीलदार मंडला श्री हिमांशु भलावीए नगर पालिका परिषद मंडला के अधिकारी उपस्थित रहे।

मोटर साइकिल चोर को बिछिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

भुआ बिछिया।

बिछिया पुलिस थाने पर प्रार्थी चंद्रभूषण तिवारी थाने पर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 31ण्1ण्2025 की शाम करीब 8रू00बजे मैंने अपनी मोटर साइकिल पैशन प्रो क्रमांक उच51 एमडी 2959 को अपने घर के सामने खड़ा करके बाजार के तरफ गया था जब करीब 9रू00 बजे रात्रि में वापस अपने घर आया तो देखा की मोटर साइकिल वहां पर नहीं थी मेरी मोटर साइकिल किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी करके लेजा लिये हैं की रिपोर्ट पर थाना बिछिया में अपराध क्रमांक 43ध्25 धारा 303 ;2द्ध बीएनएसएस का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया वरिष्ठ अधिकारीयो के निर्देशन में कार्य करते हुए चोरी गई मोटरसाइकिल की तत्परता से तलाश की गई ए थाना बिछिया पुलिस द्वारा दिनांक 18ण् 3ण् 2025 को मामले के आरोपी सुरेश कुशराम पिता लखनलाल कुशराम उम्र 24 साल ग्राम सूरजपुर थाना मोतीनाला के कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जो जिसे माननीय न्यायालय के आदेश पर जेल दाखिल किया गया है मामले में विवेचना जारी है

कार्यवाही में थाना प्रभारी बिछिया धर्मेंद्र सिंह धुर्वे प्रण अण्खेलसिंहए अजीतए आरक्षक अरविंद बर्मनए नवीन ए श्रीरामए सूर्यचंद बघेल साइबर सेल की विशेष भूमिका रही।

कलेक्टर ने किया कजरवाड़ा में जल जीवन मिशन के कार्यों का अवलोकन

मंडला -कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने नैनपुर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम कजरवाड़ा में जल जीवन मिशन के कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि पानी टंकी की सुरक्षा के लिए चारों ओर फेंसिंग करें। शेष निर्माण कार्यों को जल्द पूर्ण कराएं तथा हर घर तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने हितग्राहियों से जल जीवन मिशन के कार्यों का फीडबैक लिया। ग्रामीणों से चर्चा के दौरान उन्होंने जल संरक्षण का महत्व बताते हुए पानी का दुरूपयोग रोकने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमटए सीईओ जनपद पंचायत नैनपुर श्री विनोद मरावी सहित संबंधित उपस्थित थे।

रंग पंचमी पर हुरियारों ने शहर की सड़क को किया रंग गुलाल से सराबोर, नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी खूब उड़ी सात रंगों की सतरंगी गुलाल, शांति व्यवस्था बनाने के लिये चप्पे चप्पे पर तैनात रहा पुलिस प्रशासन

गाडरवारा

होलिका दहन से प्रारम्भ हुआ होली का पांच दिवसीय त्यौहार आखिरकार शांति, सद्भावना के साथ बुधवार को रंग पंचमी के साथ समाप्त हो गया। बीते हुये पांच दिनों में देखा गया कि रंगों से भरा हुआ यह त्यौहार मनाने के दौरान होली खेलने वाले शहर के निवासियों ने इंद्र धनुषी रंग, अबीर, गुलाल की नगर में बारिश करने में जो कसर लोगों ने धुरडी के अवसर पर छोड़ी थी शायद उसे कल शनिवार को रसबंती रंग पंचमी के मौके पर पूरा कर दिया। इस तरह कल रंग पंचमी चलते नगर सहित क्षेत्र के गांवों की सड़के सतरंगी दिखाई देने से नही चूक पा रही थी। क्योंकि कल रंग पंचमी के मौके पर युवा और बच्चे सुबह से ही फुल मौज मस्ती करने के मूड में नजर आ रहे थें। जिसके चलते देखा गया कि युवा, बच्चें अपने चेहरों पर अनेक प्रकार के मुखौटे पहन अपने हाथों में रंग के पैकिटो व पिचकारियो से लैस होकर रंग पंचमी को रंगो से नगर की गलियों को लाल करने के लिए शहर की सड़कों पर आने लगे थे और शहर के वार्डो व कालोनियों की गलियों में फागों तथा होली गीतों की स्वर लहरियॉ उमड़ने लगी थी और सभी में जोरदार तरीके से रंग पंचमी का त्यौहार मनाने का उत्साह चरम पर आया प्रतीत हो रहा था और अधिकतर युवा मन को तंरगित करने वाला प्रचालित पेय और भंग का सेवन कर कदम थिरकाते हुए अपने साथियो, शुभ चिंतको के चेहरे पूरी तरह रंग लगाने के लिए बेताब दिखायी पड़ रहे थें। कल रंग पंचमी के मौके पर देखा गया कि नगर में देखा गया कि लोग सुबह 10 बजे के बाद रंगे के त्यौहार की आखिर बेला यानि की रंग पंचमी का खूब आनंद उठाने के लिए बेताब होने के चलते शहर की सड़के ढोल ढमाको की आवाज पर झूम उठी थी। वही युवाओं में बिदाई लेती हुई होली खेलने का जोस होने से उन्होंने शरारती अंदाज में अपने परिचितो के माथे पर गुलाल का टीका लगा उन्हें न केवल रंगो से सराबोर किया बल्कि खोज खोज कर अपने साथी लोगों पर रंग बरसाने से नही चूके जो होली पर रंग डलवाने से बचते हुए अपने घरों में छिपकर बैठे हुए थें। मगर पूर्ण मस्ती का त्यौहार होने के चलते दोस्तों ने अपने अपने घरों में छिपने का प्रयास कर रहे दोस्तों को अपने अपने घरों से निकालकर रंगने में कोई कसर नही छोडी गई है। वही बताया जाता है कि शहर के मजदूरो, गरीबो के घरों में रंग पंचमी का त्यौहार विशेष रंग ढंग के साथ मनाया गया। इस मौके पर गरीब महिलाओं ने बाहरी संसार से बेखबर रहते हुए आपस में खूब रंग खेला और पुराने सपाट भाषा के होली गीत गाकर अपने घरों के वातावरण को सरस कर दिया। इस प्रकार से रंग पंचमी पर शाम तक युवाओं से लेकर बच्चों में रंगों की होली खेलने सिलसिला चलता रहा और लोक कलाएं चहुँओर देखने मिली तथा राही, लोकगीत गाते हुए वातावरण को रस पूर्ण बनाते दिखायी दिए। रंग पंचमी पर यह भी देखने में आया कि नगर के नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा सहित पार्षद, प्रमुख राजनीतिक दलो के कार्यकर्त्ता, शासकीय कर्मचारी, अधिवक्ता, पत्रकार भी रंग डलवाने से बच नहीं पाये और अनेक लोगों ने केवल हर्बल रंगो, गुलाल, अबीर का प्रयोग कर ही शहर की धरती को सतरंगा बना दिया गया था। मगर बीते हुये साल रंग पंचमी के मौके पर जिस तरह नर्मदा नहाने के दौरान घटित हुई घटनाओं के चलते इस साल घरों से होली खेलने के लिये निकले हुये अपने बच्चों को लेकर उनके परिजन चिंता में देखे गये। इस प्रकार से पांच दिवसीय होली के त्यौहार को लेकर प्रशासन द्वारा भी शांति पूर्वक इस त्यौहार को संपन्न कराने के लिये पूरे प्रबंध किये गये थें, जिसके चलते देखा गया कि रंग पंचमी के मौके पर जगह जगह पुलिस बल तैनात रहते हुये युवाओं की मस्ती पर नजर रखे हुये था और इसी के चलते पूर्ण शांति पूर्ण तरीके से यह होली त्यौहार संपन्न हुआ। क्षेत्र में कही से भी किसी प्रकार से कोई अप्रिय घटना सामने आते हुये दिखाई नही पड़ी। इसी प्रकार से समीपस्थ सांईखेड़ा, सालीचौका, चीचली, खुलरी, कौडिया, पलोहा, बारहाबड़ा सहित क्षेत्र के अनेक गांवों के लोग रंग पंचमी के मौके पर खूब रंग गुलाल की मस्ती में मस्त देखे गये। इस संबंध में जब उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक विक्रम रजक से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि जिस प्रकार से गाडरवारा नगर के बारे में कहा जाता है कि लोग हर त्यौहार को पूर्णरूप से मिलजुलकर मनाने की परम्परा रही है। उसी प्रकार से यह होली त्यौहार भी लोगों द्वारा पूर्ण शांति से मनाते हुये एकता का परिचय दिया गया है। क्योंकि होली के दौरान कही से भी किसी प्रकार से कोई अप्रिय घटना घटित होने की जानकारी नही मिली। इस प्रकार से शांति पूर्वक होली त्यौहार संपन्न हुआ है। इसी प्रकार से जब स्थानीय शासकीय चिकित्सालय के चिकित्सा प्रभारी से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि होली का पांच दिवसीय त्यौहार पूर्ण शांति पूर्वक संपन्न हुआ। क्षेत्र में किसी भी प्रकार से कोई घटना घटित होने की बारदाते सामने नही आई है, वैसे भी हमारी टीम होली व रंग पंचमी के दिन शासकीय चिकित्साय में पूर्णरूप से तैनात रही कि भगवान न करे कि इस प्रकार से कोई घटना सामने आये जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़े। मगर इस प्रकार से नगर व क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कोई जानकारी सामने नही आई है। जिसके चलते होली का पांच दिवसीय त्यौहार पूर्ण शांति पूर्वक रहते हुये लोगों ने इस वर्ष के होली त्यौहार पर रंग पंचमी के मौके पर रंग गुलाल उड़ाते हुये विदाई कर दिया गया है।

खबर संक्षेप

क्षेत्र की सड़कों पर किसी वाहन का नम्बर तो किसी वाहन के चैचिस पर दौड़ रहे वाहन, प्रशासन बना अनजान

गाडरवारा। भले ही पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग के नाम पर जहां तहां कार्यवाही करते हुये देखी जा रही है, मगर जो वाहन क्षेत्र की सड़को पर धडल्ले से नियमों को दर किनार करते हुये दौड़ते हुये देखे जा रहे है उनकी अनदेखी पुलिस की कार्य प्रणाली को निश्चित तौर पर संदेह के घेरों में लाने से नहीं चूक पा रहा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय नगर के गाडरवारा बारहाबड़ा सहित अन्य मार्गो पर जिस प्रकार से मैजिक गाड़ियों को नियमों की अनदेखी करते हुये दौड़ते हुये देखा जा रहा है वह आमलोगों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रही है। क्योंकि इन मैजिक गाड़ियों को जब सड़को पर औवर लोड़िग स्थिति में दौड़ते हुये देखा जाता है तो हाल इस प्रकार से होता है कि जितनी सबारी गाड़ी के अंदर होती है कही उससे अधिक मैजिक गाड़ी पर बैठी हुई दिखाई देने से नही चूकती है। इतना ही नही इन वाहनों द्वारा शायद शासन के नियमों के पालन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन मार्गो पर सबारी लेकर दौड़ने वाले अनेक वाहनों की सच्चाई तो इस प्रकार से होती है कि किसी वाहन की नम्बर प्लेट होती है और किसी वाहन का चैचिस पर लगाते हुये नये वाहन का निर्माण करते हुये सभी माप दंडों को दर किनार करते हुये अपने स्वार्थ का खेल खेलने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, इस प्रकार से यातायात निमयों को दर किनार करते हुये दौड़ने वाले इन वाहनों को लेकर जिस प्रकार से पुलिस द्वारा अनदेखी की जा रही है वह निश्चित तौर से किसी दिन कोई बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूक सकता है? यदि के अनेक मार्ग पर दौड़ने वाले इन वाहनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह वाहन निमयों को दर किनार करते हुये धडल्ले से चीचली व गाडरवारा पुलिस की आंखों के सामने से गुजरते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर अनेक वाहनों की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि न तो उनके पास सड़क पर दौड़ाने के लिये टैक्स भरा गया है और न ही वाहन का बीमा कराया गया है, इसके बाद भी पुलिस द्वारा जिस प्रकार से इन वाहन मालिकों को आम लोगों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ करने की जो छूट प्रदान की जा रही है। इस सच्चाई से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि प्रशासन में बैठे हुये अधिकारी ही किसी दिन कोई बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हो? यदि क्षेत्र की सड़को पर चलने वाले इन वाहनों की सूक्ष्मता से साथ जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी और वाहनों पर जो नम्बर प्लेटे लगी हुई पाई जावेगी वह निश्चित तौर से प्रशासन को हैरत में डालने से नही चूकेगी कि आखिर में वाहन मालिक है कौन..?

विद्युत शवदाह गृह निर्माण की मांग की ओर नहीं दिया जा रहा ध्यान.....?

गाडरवारा। जहां एक ओर नगर का लगातार विकास होने के साथ इसकी आबादी में भी इजाफा होते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में नगर का एक मात्र शमशान घाट की स्थिति बिगड़ने के चलते नगरवासियों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के शमशान घाट पर भयानक स्थिति उस समय निर्मित हो जाती है कि जब नगर के अंदर चार लोगों से अधिक की मौत हो जाती है, क्योंकि शमशान घाट पर मात्र शवदाह करने के लिये 5 सेट बने हुये है। इस स्थिति में अनेकों पर नगरवासियों को खुले मैदान में शव दाह करने हुये देखा जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये बीते हुये वर्ष यानि की नम्बर माह 2019 में नगर के श्रीमशान भैरव बाबा मंदिर समिति द्वारा जिला कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुये विद्युत शवदाह घर के निर्माण की मांग की गई है। उस समय सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया था कि कहने के लिये तो नगर पालिका के पास के पास शमशान घाट के नाम पर 18 एकड़ भूमि पड़ी हुई है, मगर वह लगातार अतिक्रमण के भेंट चढ़ते हुये देखी जा रही है। इस स्थिति के चलते मौके पर मुश्किल से मात्र 5 एकड़ भूमि ही सुरक्षित देखने मिल रही है।

होली खेलने के बाद बिजली लाईनों पर कपड़ा लटकाने की परम्परा सुन्दरता को ग्रहण लगाने के साथ दुर्घटना को देती है आमंत्रण

गाडरवारा। निश्चित तौर होली त्यौहार इस तरह से होता है कि जिसमें लोगों द्वारा एक दूसरे को गुलाल लगाते हुये गले मिलकर पुरानी बुराई को भुलाया जाता है। इस तरह पांच दिनों तक चलने वाले इस होली त्यौहार को खूब मस्ती के साथ मनाया जाता है। कुछ इसी प्रकार से नगर में वृद्धों से लेकर युवाओं महिलाओं ने भी होली पर्व को बडे ही धूमधाम से मनाते हुये देखा गया। मगर कुछ युवाओं में इस तरह की परम्परा बनी हुई है कि होली खेलने के बाद रंगों से रंगे हुये कपड़ो को वह जिस तरह बिजली लाईनों के ऊपर डाल देते है। यह परम्परा जहां नगर की सुन्दरता को तो ग्रहण लगाती ही है। दूसरी ओर दुर्घटनाओं को भी आमंत्रण देने से नही चूकती है। इस बात की सच्चाई इस समय नगर के विजय कालोनी शंकर मंदिर के पास देखने मिली रही है। बताया जाता है कि कल रंग पंचमी के मौके पर युवाओं ने यहां पर जमकर होली खेलते हुये सड़को जहां अनेक रंगों के चलते सप्तरंगी बनाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। मगर होली उपरांत जिस तरह मुख्य मार्ग के ऊपर रंगों से रंगे हुये कपड़ों को बिजली लाईनों के ऊपर फेकते हुये डाला गया है। वह पूर्णरूप से गलत दिखाई देने से नही चूक रहा है। क्योंकि भगवान शिवजी के मंदिर के ठीक सामने इस तरह बिजली लाईनों पर लटक रहे कपड़े जहां यहां की सुन्दरता पर ग्रहण लगाते हुये दिखाई दे रहे है तो दूसरी ओर यदि इस तरह बिजली लाईन से लटक रहे कपड़ो के बीच बारिश हो जाती है और बिजली लाईनों में फाल्ट बन जाता है तो निश्चित तौर से बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

दादा नगरी में 21 दिवसीय मेले का हुआ भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ शुभारंभ, धूनी नगरी डूबी धर्म की लेहरें

सांईखेडा

वैसे भी देखा जावे तो दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में आये दिन धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होने के चलते यहां पर लोगों की भीड़ लगी रहती है। मगर इस समय 21 दिवय भव्य धार्मिक आयोजन के चलते नगर का रूप कुछ अनोखा ही दिखाई दे रहा है। बताया जाता है कि कि नगर में दादा धूनी वालों की असीम कृपा तथा माँ नर्मदा के आर्शीवाद से 21 दिवसीय मेला व दादा महाराज के विशाल यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस तरह 19 मार्च से 27 मार्च तक शिव महापुराण का आयोजन, 28 मार्च से 29 मार्च तक अखण्ड दादाजी नाम संकीर्तन व नवरात्री के दौरान अखंड दुर्गा पाठ 30 मार्च से 6 अप्रैल तक किया जावेगा। वही इस आयोजन की पूर्णाहूति व विशाल भंडारे का आयोजन 7 अप्रेल 2025 को होगा। आयोजन के दौरान सुबह 8 बजे दादा जी की भव्य आरती, प्रतिदिन सुबह 9 बजे दादा जी को निशान अर्पण, वही प्रतिदिन 108 लीटर दूध से माँ नर्मदाजी का अभिषेख व पूजन सुबह 9.30 बजे सोनाधार घाट पर दादा भक्तों को भण्डारे का आयोजन रोज 11 बजे से 1 बजे तक, वही 21 000 दीप प्रज्जवलित कर दादाजी महाराज की महाआरती शाम 7 बजे से तथा प्रतिदिन सांईखेड़ा, बनखेडी, ि सलवानी, उदयपुरा, गाडरवारा तहसील क्षेत्र सहित अन्य बाहर से आने वाले भक्तों के लिये भण्डारे का आयोजन रात 8 बजे से 12 बजे तक तो नवरात्र के दौरान अखंड दुर्गा पाठ 108 ब्राम्हणों द्वारा तथा इसके आलवा अन्य आयोजन भी संपन्न किये जावेगे। इस तरह 21 दिवसीय मेला व धार्मिक आयोजन के शुभारंभ अवसर पर बीते हुये नगर में संतों के बीच दादा धूनी वालों की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुये धूनी पहुंचने के बाद समापन हुआ।

गांवों में लाखों की टंकी दिखाई दे रही शोभा की सुपारी, गर्मी आने के पहले ही अनेक गांवों में बूंद बूंद पानी को भटते हुए देखे जाने लगे लोग

मनकवारा। शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा की दृष्टि से भले ही नल-जल योजनाओं का गांव गांव शुभारंभ किया गया हो,.. लेकिन इन योजनाओं का ग्रामीणों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे अनेक पंचायतों में वर्षो पहले इस तरह पानी की टंकी स्वीकृत हो चुकी है मगर अभी तक बन ही नही पाई है तो कई पंचायतों में टंकिया का निर्माण होने के बाद इस योजना के शुभारंभ के कुछ समय बाद ही योजनाएं बंद पड़ी हुई हैं। पानी की सुविधा के लिए पंचायत स्तर पर शासन प्रशासन द्वारा नल-जल योजना और स्थल जल योजना चलाई जा रही है। जिसके चलते अनेक पंचायतों में सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए पानी टंकी बनबाते हुए बीते हुए कुछ वर्ष पहले इन योजनाओं को शुरू तो करा दिया गया है। मगर इस इस योजना से ग्रामीणों को कोई खास लाभ नहीं मिल पा रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि जल संकट हर तरफ बढ़ता ही जा रहा है। हालाकि योजनओं का उद्देश्य ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराना है। लेकिन पानी सप्ताह में एकाध बार भी पानी सही ढंग से नहीं मिलता है। इन योजनाओं के बंद होने का कारण भी अलग अलग है। कुछ तो जल स्रोत सूखने के कारण बंद हो रही है तो कुछ बिजली कनेक्शन काटने तथा अन्य कारणों से बंद हो चुकी हैं, वही दूसरी ओर कुछ ग्राम पंचायतों में देखा जा रहा है कि पानी टंकी के निर्माण में बरती गई गफलतबाजी के चलते पानी टंकियों में पानी भरते ही पानी टपकना शुरू हो जाता है, जिसके चलते नलजन योजना के ना पर करोड़ो खर्च किये जाने के बाद भी वह उपयोगी साबित नही हो पा रही है। वही गौर किया जावे तो पीएचई विभाग द्वारा इन योजनाओं के शुरू होने के बाद बंद होने की सूचना मिलने पर बरती गई उदासीनता के चलते ग्रामीणों को गर्मी के दौरान पीने के पानी को लेकर भटकते हुए देखा जा रहा है। कहाँ लागू होती है नल-जल योजनाः- पीएचई विभाग के अनुसार नल-जल योजना 2 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है, इस योजना के तहत एक ट्यूबवैल से अनेक नल कनेक्शन पाईप लाईन में बिछाकर दिये जाते हैं। घरों में कनेक्शन के बाद पानी की सप्लाई पंचायत स्तर से प्रतिदिन या फिर वहां पर जैंसी पानी की स्थिति होती है के अनुसार की जाती हैख बदले में पंचायत द्वारा कनेक्शनधारियों से शुल्क भी लिया जाता है। कहाँ लागू होती है स्थल जल योजनाः- एक हजार से कम आबादी वाले ग्रामीण क्षेक्षें में स्थल जल योजना संचालित की जाती है। इस योजना में ट्यूबवैल करके उसी में मोटर पंप लगाकर कई नल लगा दिये जाते हैं और ग्रामीणों को स्पाट पर ही पानी दिया जाता है। इस योजना में घरों में कनेक्शन नहीं दिये जाते हैं। लोगों को ट्यूबवैल पर ही लगे नलों से पानी भरना पड़ता है। इस योजना को नल-जल योजना में गांव की आबादी बढ़ने पर परिवर्तित कर दिया जाता है।

बसुरिया सरपंच की अनोखी पहल, खेतों में नरबाई न जलाने के लिये लोगों को कर रह जागरूग

सालीचौका।

अक्सर देखा जाता है कि किसानों द्वारा अपने खेतों से धान या फिर गेंहू फसल की कटाई करने के बाद शेष बचे हुये डंठलों या की नरबाई को आग के हवाले कर दिया जाता है। इस तरह नरबाई जलाने के चलते जहां जमीन की शक्ति को क्षति पहुंचती है तो दूसरी ओर खेतों के आसपास खड़े रहने वाले पेड़ पौधों भी इसी चपेट में आने के कारण बर्बाद होने से नही चूकते है। वही दूसरी ओर पर्यावरण को क्षतित पहुंचते हुये भी देखी जाती है। इसी के चलते शासन प्रशासन द्वारा भी हर साल इस तरह खेतों में नरबाई जलाने के लेकर प्रतिबंध लगाया जाता है। मगर इसके बाद भी किसानों को अपने खेतों में नरबाई जलाते हुये देखा जाता है। इस तरह शासन प्रशासन के आदेश बेअसर होने के चलते अब ग्राम पंचायत बसुरिया सरपंच द्वारा किसान भाईयों को जागरूक करने के लिये अनोखी पहल शुरू करते हुये घर घर पहुंचकर उनसे अपने खेतों में नरबाई न जलाने के लिये अपील कर उसके दुष्परिणामों से अवगत कराते हुये जागरूक किया जा रहा है। इस तरह जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बसुरिया सरपंच की इस अनोखी पहल की जहां लोगों द्वारा प्रशंसा करते हुये उस पर अमल भी करना शुरू कर दिया गया है। सरपंच का कहना है कि भाईयों अपने खेतों की नरबाई न जलाते हुये यदि उसे गौशाला को भेंट करते है तो जहां एक ओर आपके खेत भी सुरक्षित रूप से खाली हो जावेगे तो दूसरी ओर गौमाता के लिये अहार भी मिल जावेगा। सरपंच का कहना है कि नरबाई से भूसा बनबाने में जो भी खर्च आ रहा है और किसान नहीं दे पा रहे हैं तो वह राशि भूसा मशीन को ग्राम पंचायत द्वारा प्रदान किए जाएंगी लेकिन ग्राम और क्षेत्र के किसान भाई नरवाहि में आग ना लगाये जिससे गौ माता के लिए भोजन की पर्याप्त व्यवस्था हो सके जिससे गौमाता कि सेवा हो सके। ग्राम पंचायत बसुरिया के सरपंच की यह पहल संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के चलते आस्तित्व खोते चली जा रही है दूर संचार सेवा

सांईखेड़ा

दूर संचार के क्षेत्र में जहां एक ओर निजी कंपनियों द्वारा अपने ग्राहको को नई नई सौगाते प्रदान करने में लगी हुई है, वही दूसरी ओर भारत की सबसे बड़ी दूसर संचार कंपनी में पदस्थ अधिकारियों की उदासीनता के चलते दूर संचार सेवा ग्रामीण क्षेत्रों में अपना अस्तित्व खोते हुए जान पड़ रही है? क्योंकि जब किसी भी उपभोक्ता का फोन खराब हो जाता है और वह संबंधित विभाग के अधिकारियों से शिकायत करते हुए उसके सुधार की गुहार लगाता है तो गाडरवारा क्षेत्र में पदस्थ प्रमुख अधिकारियों द्वारा उसके उपकरण में सुधार की बात तो दूर उनकी समस्याओं के निराकरण की ओर ध्यान ही नही दिया जाता है जिसके चलते जहां एक ओर लोगों का देश की सबसे बड़ी दूर संचाकर कंपनी से लोगों का भरोसा उठाता चला जा रहा है? वही इस विभाग में पदस्थ प्रमुख अधिकारियों की कार्य प्रणाली से यह जान पड़ रहा है कि शायद उनके द्वारा निजी कंपनियो को लाभ दिलाने की सोच के चलते इस प्रकार की उदासीनता बरती जा रही है? क्योंकि बीते हुए कुछ माहिनों से देखा जा रहा है कि गाडरवारा व सांईखेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की दूर संचार सेवा पूर्ण रूप से पटरी से उतरते हुये देखे जाने के बाद भी संबंधित अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान देना उचित नही समझ रहे है। ध्यान ही नही दिया जा रहा है, जिसके चलते यह सेवा बदहाली की ओर अपना कदम बढ़ाने से नही चूक रही है? जबकि गौर किया जावे तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस समय देश को डिजीटल बनाने की सोच के साथ कार्य कर रहे है, वही दूसरी ओर केन्द्र की सबसे महतत्व पूर्ण सेवा गाडरवारा क्षेत्र में अधिकारियों की मनमानी व उदासीनता के चलते पटरी से उतरने से नही चूक पा रही है, इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा दूर संचार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सांईखेड़ा, सालीचौका, गोटीटोरिया, बनवारी सहित क्षेत्र के अन्य गांवों में देखी जा रही है जहां पर लोगों के घरों में लगे हुये टेलीफोन बीते हुए काफी समय से बंद पड़े हुये है या फिर चालू है तो उनमें कही फोन लगाया जाता है तो अन्य कही लग जाता है, वही इंटरनेट सेवा का तो यह हाल है कि चलते चलते अचानक सरर्वर डाउन हो जाने की स्थिति में जहां लोगों के जरूर काम रूक जाते है जिसके चलते उन्हें घंटो तक इंतजार करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है, इस स्थिति में चलते निश्चित ही लोगों का रूझान अन्य दूसरी निजी सेवाओं की ओर बढ़ने से नही चूक पा रहा है।

बिजली बिलों की आन लाईन भुगतान व्यवस्था से परेशान हो रहे उपभोक्ता, बिल जमा होने के बाद भी जुडकर आने वाले बिल में नही होता है कोई सुधार

गाडरवारा। देश के प्रधानमंत्री द्वारा देश को डिजीटल बनाने के सपने को साकार करने तथा शासकीय कार्यो को कागज मुक्त बनाने के चलते अधिकतर कार्य आन लाईन प्रणाली के माध्यम से किये जा रहे है। कुछ इसी प्रकार से बिजली विभाग द्वारा भी अब बिजली बिलों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिये कागजों की जगह उनके मोबाईल फोनों पर सूचना दी जा रही है तो दूसरी ओर बिजली विभाग द्वारा निर्धारित किये गये एप के माध्यम से बिजली बिलों के भुगतान को लेकर उपभोक्ताओं को प्रेरित किया जा रहा है। मगर बिजली विभाग द्वारा यह सुविधा आम उपभोक्तओं के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर जब कोई उपभोक्ता अपनी परेशानी लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों के समक्ष पहुंचता है तो उसकी समस्या का निराकरण करने की जगह अधिकारियों द्वारा उसको चक्कर लगाने के लिये मजबूर करने से नही चूक रहे है..? बताया जाता है कि विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा बिजली विभाग द्वारा निर्धारित किये गये एप पर बिजली बिल का जब भुगतान किया जाता है तो उसके मोबाईल एप के माध्यम से सूचना मिलती है कि उसका बिजली बिल भुगतान सफल हो चुका तथा उपभोक्ता के खाते से भी बिल की निर्धारित राशि कट जाती है। मगर जब अगले माह देखा जाता है कि उपभोक्ता के बिजली बिल में पूर्व माह के राशि जुटकर पहुंच जाती है। इतना ही नही जिस उपभोक्ता का बिजली बिल तुरंत के माह व पूर्व के माह का कम होता है वह जुडकर आता है तो वह उस बिल को आसानी से नही समझ पाता है। क्योंकि उपभोक्ताओं को कागजों पर बिली मिलना बंद हो चुके है और मोबाईल फोन पर बिल संबंधी सूचना में सिर्फ यही उल्लेख होता है कि इस माह आपकी बिजली इतने यूनिट जली है और उसका बिल इतना है। जबकि पूर्व में जब उपभोक्ताओं को घर घर कागजों पर बिल मिलते थे तो उसमें तुरंत माह का बिल सहित पूर्व के बिलों का विवरण भी देखने मिल जाता था मगर वर्तमान समय में वह व्यवस्था बन होने के चलते बिजली विभाग द्वारा पूर्व के माह का बिजली बिल जमा ोने के बाद भी जोड़कर भेजे जाते है जिसके चलते वह तुरंत का बिल समझकर जमा कर देता है। इस तरह बिजली विभाग द्वारा एप के माध्यम से बिजली बिलों का भुगतान व्यवस्था में बिजली बिलों के जमा होने के बाद सफल भुगतान की सूचना के बाद भी पूर्व के बिल जुडकर आने के चलते उपभोक्ता परेशान होते हुये देखे जा रहे है। इस समस्या को लेकर जब उपभोक्ता बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचते है तो अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करने के जगह कल आना या फिर कम्प्यूटर आपरेटर नही है अभी की बात कहते हुये अनेको को चक्कर लगाने के लिये मजबूर करना आम बात बन चुकी है? इस तरह उपभोक्ताओं को अनेक चक्कर लगाने के बाद भी समस्या का निराकरण नही होने की स्थिति में बिजली बिलों के भुगतान करने की निर्धारित अवधि गुजर जाने के कारण उन पर देरी शुल्क लगाते हुये बिजली काटने से भी बिजली विभाग नही चूकता है? इस तरह बिजली विभाग की आन लाईन बिल भुगतान व्यवस्था के चलते उपभोक्ताओं को परेशान होने के साथ साथ आर्थिक क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

जंगल विभाग बेसुध, दो दिनों से सघन जंगल में भीषण आग

डिंडौरी

जिले के विकासखंड बजाग अंतर्गत ग्राम सिलपिढ़ी के बुढ़नेर नदी के पास सघन जंगल में दो दिन से आग लगी हैं, बावजूद इस पर काबू पाने के विभागीय प्रयास अब तक नहीं किए गये परिणामस्वरुप बड़ी मात्रा में वनोपज,वृक्ष, औषधीय पौधें,झुलस कर नष्ट हो रहें वनांचल क्षेत्रों के ग्रामीणों से मिले जानकारी अनुसार गर्मी बढ़ते ही जंगल सुलगना शुरू हैं ,इस पर तत्काल रोक लगाया जाना आवश्यक है हालांकि यह जांच का विषय है कि आग कैसे लगी किसी वनमाफिया की करतूत हैं या किसी राह चलते ने माचिस की तीली जलाकर सूखे पत्तों पर फेंक दिया या विभाग की लापरवाही से आग लगी कारण कुछ भी हो आग पर तत्काल काबू पाया जाने के लिए विभाग द्वारा क्या सार्थक कदम उठाए गए यह जानना बहुत जरूरी है क्योंकि जहां आग दावानल का रुप लेकर जंगल की चढ़ाई चढ़े और अनियंत्रित हो इससे पहले ही इसे बुझाना जरूरी हो गया। गौरतलब हैं कि सरकार ने जंगल की देखरेख के लिए अधिकारी कर्मचारियों की पदस्थापना के साथ वनसमिति को सक्रिय किया

हैं इन सबके मौजूद रहते जंगल में आग का लग जाना इनके लापरवाह भूमिका को रेखांकित कर रहा यघपि अब ऐसे में सवाल यह आता कि महज कुछ दूरी पर जंगल धधक रहा है और जिम्मेदार बेखबर कैसे हैं क्या उन्हें जंगल से उठता हुआ धुआं नहीं दिखा जानकारी तो यह भी है कि इस आगजनी की घटना को रोकने के लिए क्षेत्र के लोगों ने विभागीय जिम्मेदारों को अवगत कराया था तो विभाग के जिम्मेदार अपने फर्ज को अदा करने की बजाए जंगल को धधकता छोड़ दिए बहरहाल आगे यह देखना दिलचस्प होगा कि आलाधिकारी इस लापरवाही पर मातहतों से कैसा सुलूक करते हैं।

- वन्यजीव की बढ़ी मुसीबतें

गौरतलब हैं कि जंगल में आग लगने से न केवल कीमती जड़ी बूटियां जलकर राख हो जातें हैं बल्कि वन्यजीव वन्य प्राणियों को भी जान बचाने का संकट आ खड़ा होता हैं ऐसे में यह अपने जान बचाने के चक्कर में भटक कर आबादी वाले हिस्सों में पहुंच जाते हैं जहां इन्हें अनेकों दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैं लिहाजा ऐसा प्रयास करना होगा कि जंगल जलने की नौबत न आए तभी जंगल भी बचेगा और वन्य जीव भी बचेंगे । बहरहाल ऐसा होते रहने से। जंगली जीव तो प्रभावित होते ही हैं पर्यावरण पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा हैं जो वातावरण के लिए खतरा बन रहा हैं।

- नष्ट हो रहें हरे भरे वृक्ष

उल्लेखनीय हैं कि जंगल में आग लगने के कारण इसकी चपेट में आकर अनेकों हरे भरे वृक्ष असमय ही नष्ट हो रहें हैं और वनों के सघनता में कमी आई है लिहाजा ऐसे पेड़ों का बचाव नितांत आवश्यक है क्योंकि वृक्षारोपण से तो वृक्ष तैयार होने से रहें हैं इसलिए जो जंगली पौधे व वृक्ष है तापमान को नियंत्रित करने के लिए इनका बचना जरूरी है क्योंकि ये रहेंगे तो हरियाली रहेगी ।

आज बालपुर आयेंगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

डिंडौरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज डुमना एयरपोर्ट जबलपुर से हेलीकाप्टर द्वारा रवाना होकर अपरान्ह 03.10 बजे शाहपुर हेलीपैड पहुंचेंगे और बलिदान स्थल बालपुर में आयोजित वीरांगना महारानी अवंती बाई के बलिदान दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। तदोपरांत मुख्यमंत्री डॉ यादव अपरान्ह 04.15 बजे शाहपुर हेलीपैड से रवाना होकर डुमना एयरपोर्ट जबलपुर होते हुए भोपाल के लिये रवाना होंगे।

ग्राम कनईसांगवा में श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ 20 मार्च से प्रारंभ

डिंडौरी । जिला मुख्यालय से मजह 3 किलोमीटर दूर ग्राम कनईसांगवा में श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ 20 मार्च से प्रारंभ होने जा रहा है। मां दुर्गा सेवा समिति और आयोजक इंद्रसिंह बिलागर एबलदेव सिंह बिलागर ने बताया कि स्वगीर्य श्री गोपी सिंह मालगुजार के वार्षिक श्राद्ध के अवसर पर श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ 20 मार्च से प्रारंभ होकर 29 मार्च तक आयोजित होगा।भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी महिमाओ का वर्णन कथा वाचक मानस कोकिला वर्षा देवी जी के मधुर वाणी से किया जाएगा। मां दुर्गा सेवा समिति के द्वारा क्षेत्र के सभी सनातनियों को भगवान के रसज्ञ श्रोताओ से विनम्र निवेदन कर इस पुनीत ज्ञान यज्ञ का पुण्य लाभ लेने आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम 20 मार्च दिन गुरुवार को कलश यात्राए गद्दी पूजन एवं देव आवाहन के साथ होगा और 29 मार्च दिन शनिवार को पूर्णाहुति हवन और भंडारा के साथ वार्षिक पिंडदान के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

लेखा प्रशिक्षण का नियमित सत्र 1 अप्रैल से 15 जून तक चलेगा

उमरिया । प्राचार्य लेखा प्रशिक्षण शाला प्रकाश व्दिवेदी ने बताया कि लेखा प्रशिक्षण का नियमित सत्र 1 अप्रैल से 15 जून तक चलेगा, इसके लिए आवेदन 26 मार्च तक लेखा प्रशिक्षण शाला रीवा में जमा किए जा सकते है ।

एनएसएस विशेष शिविर में डिजिटल इंडिया पर हुई चर्चा

डिंडौरी । शासकीय आदर्श महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के चैथे दिन डिजिटल इंडिया विषय पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। विशेष शिविर प्राथमिक माध्यमिक पाठशाला, रहंगी में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. निश्रत अर्शी ने स्वयंसेवकों को डिजिटल इंडिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं एवं उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने स्वयंसेवकों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए, जिससे कार्यक्रम और भी ज्ञानवर्धक बन गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयंसेवकों द्वारा चयनित नरेश चैधरी ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक धनराज उइके द्वारा किया गया, जबकि तरुण राठौर ने आभार प्रदर्शन किया। इस पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. अनुपम सिंह बघेल द्वारा तैयार की गई थी। शिविर में उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने इस सत्र को ज्ञानवर्धक बताते हुए इसकी सराहना की।

21 मार्च को रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में संगम रोजगार मेला

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी अंबिकेश प्रताप सिंह ने बताया कि रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन उमरिया में 21 मार्च को संगम रोजगार मेले का आयोजन प्रातः10.30 बजे से किया गया है । मेले में एलआईसी उमरिया, रिलाइंस निप्पन, प्रगतिशील बायोटेक, ग्रेट आग्रेनिक , डायमंड प्राइवेट लिमिटेड, आईटीआई उमरिया, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा वर्धमान मंडीदीप भोपाल की कंपनी भाग लेगी।

21 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कार्यक्रम

उमरिया। जिला आपूर्ति अधिकारी बी.एस.परिहार ने बताया कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों प्रति जागरूक करने हेतु जिला स्तर पर मंगल भवन उमरिया में 21 मार्च को दोपहर 12 बजे से कार्यक्रम का आयोजन किया गया है । कार्यक्रम में विभागों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी । उपभोक्ताओं को जागरूक किए जाने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम यथा कठपुतली, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता संगोष्ठी , कार्यशाला, प्रदर्शनी आदि आयोजित कर अवगत कराया जाएगा ।

नगर परिषद शहपुरा में हुआ होली मिलन समारोह

मिलन समारोह में जमकर उड़े रंग गुलाल

अध्यक्ष उपाध्यक्ष के साथ पार्षद,नगर परिषद् अधिकारी कर्मचारी और मीडिया कर्मी थिरकते नजर आये

शहपुरा

शहपुरा नगर परिषद प्रांगण में दिन मंगलवार को होली पर्व रंग पंचमी की शुभ अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।नगर परिषद् शहपुरा की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह में जमकर अबीर गुलाल उड़ा। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष नगर परिषद उपाध्यक्ष ने पार्षदों, नगर परिषद अधिकारियों कर्मचारियों के साथ ही मीडिया कर्मियों के साथ होली खेली और सभी को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में होली गीतों पर अध्यक्ष उपाध्यक्ष के साथ पार्षद,नगर परिषद् अधिकारी कर्मचारी और मीडिया कर्मी थिरकते नजर आये। सभी ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया और शुभकामनाएं दी। होली मिलन समारोह में उपाध्यक्ष मुकेश साहू ने कहा कि भारतीय संस्कृति में विविधता के बीच एकता का प्रतीक होली का पर्व है। यह न सिर्फ रंगों से खेलने का, बल्कि भाईचारे, प्रेम और मेलजोल का पर्व भी है। होली का पर्व सिर्फ उल्लास और उमंग का पर्व नहीं बल्कि यह पर्व विशेष रूप से बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक भी है। नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी अरुण अग्रवाल ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है। यह एक ऐसा अवसर है जब लोग एक-दूसरे को रंगों से सराबोर करके एक-दूसरे के प्रति प्रेम और स्नेह व्यक्त करते हैं। होली के दिन लोग पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे से गले मिलते हैं और रिश्तों में मिठास बढ़ाते हैं। होली के इस महापर्व पर हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि होली का पर्व हमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी अहसास कराता है। हमें रंगों का इस्तेमाल सोच-समझ कर करना चाहिए ताकि यह हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। प्राकृतिक रंगों का प्रयोग और पानी का संरक्षण होली के समय हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए। यह होली मिलन समारोह में नगर परिषद के अध्यक्ष उपाध्यक्ष परिषद के अधिकारी कर्मचारी सहित मीडिया के साथीगण मौजूद रहे।

चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाने राजनीतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न

अनूपपुर।

जिले में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चुनावी प्रक्रियाओं को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिलीप कुमार पाण्डेय ने की। इस दौरान चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची के अद्यतन, निर्वाचन व्यय की समीक्षा और निष्पक्ष चुनाव कराने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी तथा जिला निर्वाचन कार्यालय के संजय निगम सहित अन्य संबंधित जन उपस्थित थे। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि मतदाता सूची त्रुटिरहित हो और हर पात्र मतदाता का नाम उसमें शामिल किया जाए। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) और बीएलओ के साथ नियमित संपर्क बनाए रखना चाहिए ताकि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या सुधारने की प्रक्रिया में कोई त्रुटि न हो। उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल अपने बीएलओ के माध्यम से अधिकतम 10 आवेदन एक बार में जमा कर सकता है। बैठक में मतदान केन्द्रों पर चर्चा के दौरान अवगत कराया गया कि जिले में विधानसभा 86-कोतमा में 202, 87-अनूपपुर में 224 एवं 88-पुष्पराजगढ़ में 273 मतदान केन्द्र स्थापित हैं, जिन पर बीएलओ नियुक्त हैं। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने 86-कोतमा के ग्रामीण क्षेत्रांतर्गत ग्राम बसखला के मतदाता ग्राम मनमारी में एवं ग्राम मनमारी के मतदाता ग्राम ठोड़हा में मतदान करते हैं की समस्या से अवगत कराया गया। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 87-अनूपपुर के मतदान केन्द्र कुसुमहाई एवं बेला के मतदाताओं के नाम कुसुमहाई में जुड़े हैं जिससे ग्राम बेला के मतदाताओं को पृथक करते हुए नया मतदान केन्द्र स्थापित करने के संबंध में प्रस्ताव दिया गया। इसी तरह 87-अनूपपुर के मतदान केन्द्र ग्राम पंचायत धनगवां पूर्वी के ग्राम दर्रीटोला जहां के मतदाताओं की संख्या 700 है जिन्हें मतदान करने के लिए 4 किलोमीटर की दूरी तय करके मतदान केन्द्र धनगवां जाना पड़ता है, जबकि ग्राम दर्रीटोला में मतदान केन्द्र स्थापित है, जिसका मतदान केन्द्र क्रमांक 210 है, जहां दर्रीटोला के मतदाताओं को मतदान की सुविधा प्रदान की जाए। इसी तरह 87-अनूपपुर के मतदान केन्द्र पड़रिया के ग्राम सख्तीटोला के लगभग 400 मतदाताओं को मतदान करने हेतु पड़रिया आना पड़ता है, जिसके संबंध में मांग की गई कि पड़रिया एवं सख्तीटोला में अलग-अलग मतदान केन्द्र स्थापित किए जांए। इस संबंध में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को मतदान केन्द्रों के संबंध में निर्धारित मापदण्डों का सक्षम अधिकारी से जांच कराया जाकर यथासमय कार्यवाही कराए जाने की बात कही गई। बैठक में जीर्ण-शीर्ण मतदान केन्द्रों को नवीन भवनों में शिफ्ट कराए जाने, जिले के बीएलओ द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के दौरान मतदान केन्द्र स्तर पर राजैनतिक दलों के बीएलए को परिवर्धन, संशोधन एवं निरसन की जानकारी देने, मतदाता सूची का प्रकाशन ब्लैक एण्ड व्हाईट के स्थान पर कलर्ड प्रकाशित किए जाने, वोटर आईडी में मोबाइल नम्बर लिंक किए जाने, वोटर आईडी समय पर प्रदाय करने संबंधी सुझाव राजैनतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फैली अव्यवस्था को लेकर 24 मार्च से भूख हड़ताल

कोतमा

आदिवासी बाहुल्य विधानसभा क्षेत्र के एकलौता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फैली व्यवस्था को लेकर नागरिकों ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी को पत्र सौप कर अवगत कराया है कि 25 फरवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फैली व्यवस्था को लेकर व्यवस्था सुधारने के लिए ज्ञापन सोपा गया था किंतु काफी समय बीत जाने के बाद भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फैली व्यवस्था तो नहीं सुधरी किंतु मरिज पहले से भी और ज्यादा परेशान नजर आ रहे हैं जिसको लेकर पत्र में हस्ताक्षर करने वालों ने मांग की है कि अगर 24 मार्च तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो रैली निकालकर भूख हड़ताल पर बैठ जाएगा। पत्र में अवगत कराया गया है कि रैली वार्ड क्रमांक 10 पुराने स्वास्थ्य केंद्र भवन से इसलामगंज,रेलवे अंडर ब्रिज, गहरवार प्रेस रोड, गांधी चौक, मुखर्जी चौक, बस स्टैंड से रैली निकालते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के सामने भूख हड़ताल पर बैठ जाएगा। जिसमे जिसमें पूर्व पार्षद देवशरण, सिंह, आम आदमी पार्टी के जिला सचिव दीपक कुमार पटेल, राम विश्वकर्मा, संतोष गुप्ता, भूरा सिंह, धर्मचंद जैन, संतोष गुप्ता, पवन साहू व अन्य वार्डवासी, नागरिक उपस्थित रहेंगे।

अज्ञात कारणों से युवक तथा फांसी लगाने से महिला की मौत

अनूपपुर

जिला चिकित्सालय अनूपपुर में अज्ञात कारणों से युवक की मौत हो गई वही अनूपपुर नगर में महिला की घर में फांसी लगाने से मौत की घटना पर दोनों मामलों में पुलिस जांच में जुटी हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार भालूमाड़ा थाना अंतर्गत परासी गांव निवासी 35 वर्षीय राजेश कुमार पिता स्व. दीनदयाल कुलारा की मंगलवार की रात अचानक अज्ञात कारणों से तबीयत खराब होने पर परिजनों द्वारा जिला अस्पताल अनूपपुर में लाया गया जहां देर रात राजेश की मृत्यु हो गई। दूसरी घटना मंगलवार की रात अनूपपुर नगर के वर्तमान 12 निवासी प्रकाश गोस्वामी की 38 वर्षीय पत्नी अंजना गोस्वामी कि घर के अंदर फांसी लगाने से मौत होने पर घटना की जानकारी पर कोतवाली पुलिस देर रात घटना स्थल पर पहुंचकर कार्यवाही की दोनों घटनाओं पर पुलिस के द्वारा परिजनों की उपस्थिति में मृतकों के शवो का पंचनामा कर ड्यूटी डॉक्टर से पीएम कराये जाने की कार्रवाही कराते हुए जांच कर रही है।

लू से बचाव के लिए एडवायजरी जारी

अनूपपुर

मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जन-समुदाय को लू (तापघात) के प्रकोप से बचने के लिए एडवायजरी जारी की गई है। भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी मौसमी दृष्टीकोण के अनुसार मार्च से मई माह का तापमान औसत तापमान से अधिक होने की संभावना है। जिस कारण लू की स्थिति निर्मित हो सकती है। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एडवाइजरी में जन सामान्य को लू से बचाव हेतु अपनाई जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला गया है। एडवाइजरी के मुताबिक़ पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पेय जैसे लस्सी, नीबू पानी, आम का पना इत्यादि का सेवन करने से लू से बचा जा सकता है। इसके साथ ही धूप में निकलते समय सिर ढककर रखना चाहिए। धूप में निकलते समय कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करना चाहिए। धूप में निकलने के पूर्व तरल पदार्थ का सेवन करना चाहिए और शरीर में पानी की कमी नहीं होने देना चाहिए। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार सूर्य दाह या सनबर्न होने पर प्रभावित के त्वचा पर लाल चकता, सूजन, फफोले, बुखार, सिरदर्द आदि के लक्षण प्राप्त होने पर उसे बार-बार नहलाना चाहिए। यदि फफोले निकल आएं हो तो स्टरलाइज/ड्रेसिंग करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेना चाहिए। ताप के कारण शारीरिक ऐठन, पैर एवं पेट की मांसपेशियों अथवा शरीर के बाहरी भागों में तकलीफ और अत्यधिक पसीना आने पर प्रभावित को तत्काल छाँवदार स्थल पर ले जाना चाहिए। शरीर का वह भाग जहां ऐंठन हो रही हो, उसे जोर से दबाना चाहिए और धीरे-धीरे सहलाना चाहिए। लू लगने पर प्रभावित को शीतल जल, छाछ अथवा पना पिलाया जा सकता है। इस दौरान प्रभावित को उकबाई आने पर शीतल पेय पिलाना तुरंत बंद कर देना चाहिए और उसे फ़ौरन नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर ले जाना चाहिए। इसके अलावा अत्यधिक थकावट एवं शारीरिक खिचाव का अनुभव होने की स्थिति में प्रभावित को अत्यधिक पसीना, कमजोरी, सिरदर्द, शरीर ठंडा और पीला पड़ जाने एवं नब्ज कमजोर पड़ जाने, मूर्छित हो जाने और उल्टी जैसे लक्षण प्राप्त होने पर प्रभावित को छायादार स्थल पर लिटा कर शरीर पर ठंडे और गीले कपड़े से स्पंजिंग करना चाहिए। यदि संभव हो तो उसे वातानुकूलित कमरे में ले जाना चाहिए। तापदाह (हीट स्ट्रोक) की स्थिति में अत्यधिक बुखार, अत्यधिक गर्म एवं सूखी त्वचा, तेज नब्ज या बेहोशी पर तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुँचाना चाहिए और प्रभावित को डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

वृद्धा की उपचार के दौरान मौत

पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया अंतिम संस्कार

अनूपपुर।

जिला चिकित्सालय अनूपपुर में 2 दिन पूर्व उपचार हेतु भर्ती वृद्धा की उपचार के दौरान मृत्यु हो जाने, खोजबीन पर परिवार की जानकारी ना मिल पाने के कारण पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मुक्तिधाम अनूपपुर में पूरे हिंदू रीति रिवाज से बृद्धा के शव को दफनाकर अंतिम संस्कार किया। बताया गया कि 70 वर्षीय वृद्धा कलाबती उराव विगत 20 वर्षों से अधिक समय से अनूपपुर जिले के राजनगर में गोपाल पंडाल के पास रहते हुए भिक्षा मांग कर जीवन यापन कर रही थी जिसकी दो दिन पहले अचानक तबीयत खराब होने पर बिजुरी अस्पताल में चिकित्सक द्वारा प्रारंभिक उपचार कर बेहतर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किए जाने पर उपचार चल रहा था। इसी दौरान उसकी मौत हो गई

लाड़ली बहना योजना ने अनीता केवट को बनाया सशक्त और समृद्ध

अनूपपुर।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अनूपपुर जिले के महिलाओं के लिए भी संबल बनी है। योजना के तहत प्रत्येक माह मिलने वाली 1250 रुपये की आर्थिक सहायता राशि से लाडली बहनें सशक्त होने के साथ ही परिवार का मजबूत सहारा साबित हुई हैं। योजना का लाभ प्राप्त कर महिलाओं ने परिवार की मुखिया का रूतबा भी हासिल किया है। अनूपपुर जिले की लाडली बहना अनीता केवट निवासी ग्राम हर्री फुलकोना विकासखण्ड कोतमा प्रतिमाह मिलने वाली राशि से बच्चों की स्कूल फीस जमा कर रही हैं तथा अपने परिवार की छोटी-छोटी जरूरत को खुद से पूरा कर रही हैं। उन्होंने बताया कि लाडली बहना योजना जैसे जनहितकारी योजना हमारे भैया द्वारा हमें सशक्त एवं समृद्ध बनाने के लिए चलाया जा रहा है। जब से इस योजना का लाभ मिलना प्रारंभ हुआ है,

खबर संक्षेप

होली मिलन एवं बैठक आयोजित

गोटेगांव। विगत दिवस सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद नरसिंहपुर एवं गोटेगांव इकाई की बैठक एवं होली मिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। गोटेगांव नगर अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खेमरिया एवं समस्त कार्यकारिणी बहुत ही उत्साह, लगन से अपना उत्तरदायित्व निभा रही है। जिला अध्यक्ष श्रीमति विवेक पांडे ने कहा आप लोग ऐसे ही एकता के सूत्र में बंधे रहे और ब्राह्मण हित में कार्य करते हुए, सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद को ऊंचाइयों की शिखर पर ले जाए। जिला अध्यक्ष विवेक पांडे एवं उपाध्यक्ष अरुणा दुबे ने सभी पदाधिकारीयो को सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद की आईडी पहनाई। कार्यक्रम में श्रीमती विवेक पांडे, श्रीमती अरुणा दुबे, श्रीमती सरला पांडे, श्रीमती मंजूलता पांडे, श्रीमती नंदिता चौबे, श्रीमती संचित दुबे, गोटेगांव नगर अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खेमरिया, सचिव श्रीमती नीलिमा शर्मा, सचिव सपना दुबे संस्कृति व्यवस्थापक श्रीमती प्रमिला पांडे, श्रीमती अंजू धगट, श्रीमती विभा दुबे, आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति ने बैठक और होली मिलन कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

जमकर मनाया रंगों का त्यौहार रंगपंचमी

तेंदूखेड़ा। होलिका उत्सव का समापन रंगों के त्यौहार रंग पंचमी के साथ हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हो गया।इस मौके पर तेंदूखेड़ा सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी रंगपंचमी धूम धाम से मनाई गई। छोटे छोटे बच्चों के द्वारा उत्साह पूर्वक एक दूसरे को रंग लगाकर जमकर मस्ती की गई। युवा टोलियां भी अपने स्नेही जनों को रंग लगाते हुए नजर आए। सुरक्षा शांति बनाये रखने के लिए पुलिस की लगातार गश्त बनीं रही।

होली मिलन के साथ हुआ राज्य शिक्षक संघ की तहसील इकाई का गठन

तेंदूखेड़ा। बुधवार को राज्य शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षकों के द्वारा होली मिलन समारोह पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट करोंदी घाट में बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षकों के द्वारा मनाया गया। उपस्थित शिक्षकों ने राज्य शिक्षक संघ के बैनर तले तहसील इकाई का पुर्नगठन करते हुए वर्ष 1998 से शिक्षा कर्मी काल से शिक्षक साथियों के के हितों को लेकर संघर्ष करने वाले शिक्षक पुरुषोत्तम बसेडिया को तहसील इकाई का अध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष मुन्नालाल पटेल उपाध्यक्ष दिगम्बर सिंह ठाकुर राजकुमार दुबे कोषाध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव सचिव शचींद्र गुप्ता सहसचिव श्रीराम पटेल मीडिया प्रमुख नीरज पटेल सहप्रमुख नीलेश शर्मा तथा संरक्षक मंडल में समीम कुरैशी कमलेश त्रिपाठी जेपी कोष्ठी राजेश पटेल मनोज शर्मा लखन पटेल प्रमुख रुप से रहेंगे।

आज लगाया जाएगा नसबंदी शिविर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में माह मार्च 2025 में महिला एवं पुरुष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि 20 मार्च को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करेली और सिविल अस्पताल गाडरवारा में महिला एवं पुरुष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है।

रंगो से सराबोर रही रंगपंचमी, जमकर उड़े रंग- गुलाल

गत दिवस रंगपंचमी बड़ी धूमधाम से मनाई गई। होली का त्यौहार पांच दिन तक चलने वाला त्यौहार है जो रंगपंचमी के बाद पूर्ण होता है। धुरेड़ी के दिन से रंग गुलाल लगाने का क्रम प्रारंभ होता है जो रंगपंचमी तक चलता है। लोगो द्वारा एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाकर होली की शुभकामनाएं दी जाती है। इसी क्रम में आज रंगपंचमी पर दिन भर चहल पहल बनी रही है। रंगपंचमी के मौके पर जमकर रंग-गुलाल बरसा। अलसुबह से ही सक्रिय हुरयारे देर शाम तक सड़कों पर दिखाई दिये। रंगपंचमी पर पत्रकारों द्वारा भी होली मिलन समारोह का आयोजन कर जमकर होली खेली। वही भाजपाजनों द्वारा भव्य होली मिलन का आयोजन किया गया।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर सहित पूरे जिले में रंग पंचमी का त्यौहार परंपरागत रूप से पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। नगर में हर साल रंग पंचमी का त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस साल भी लोगों ने रंग पंचमी परंपरागत रूप से मनाया। नगर के मुख्य बाजार मेन रोड कंदेली सहित सभी क्षेत्रों में रंग पंचमी उत्साह के साथ मनाया गया। युवाओं की टोली एक दूसरे पर रंग की बरसात करती रही और जमकर गुलाल भी उड़ा देखा गया कि रंग पंचमी के त्योहार पर इस साल भी लोगों ने रंगों की खूब बारिश की और परंपरागत रूप से रंग पंचमी का त्यौहार पूरे जिले में मनाया गया। होली का त्यौहार पांच दिन तक मनाये जाने वाला त्यौहार है। जो रंगपंचमी के बाद सम्पन्न होता है। सुबह से लोगों द्वारा रंग गुलाल लगाने को क्रम जारी कर दिया गया था जो देर शाम तक जारी रहा। लोगों द्वारा गाजे बाजे के साथ नाचते थिरकते हुये रंग लगाकर पंचमी मनाई ।

पत्रकारों द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित

रंगपंचमी के अवसर पर नगर के पत्रकारों द्वारा स्थानीय पत्रकार जनसंवाद केंद्र मे होली मिलन का आयोजन किया गया जिसमें पत्रकारों द्वारा एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं देते हुये जमकर होली खेली गई। वही नगर के सभी पत्रकार डीजे की धुन मे थिरकते नजर आये तथा पत्रकारों द्वारा अपने स्वरों को बिखेरते हुये होली गीत गाये। उक्त आयोजन मे प्रशासन के अधिकारी तथा आम नागरिक भी उत्साह के साथ सहभागी बने तथा सभी के द्वारा उक्त आयोजन की प्रशंसा की गई। वही गायत्री योग समिति द्वारा रंगपंचमी पर रंग गुलाल लगाकर मनाया गया। रंगपंचमी रसरंगी त्यौहार है जो हमें दुख दर्दों से उबारकर और उमंग उत्साह से भरकर जीवन में खुशी आनंद की अनुभूति कराता है। रंगपंचमी का त्यौहार प्रेम भाईचारा और सद्भाव का त्यौहार है जो सारे विश्व में भारतीयता के सर्वे भवन्तु सुखिनः का संदेश देता है। उक्ताशय के विचार हास्य

बाजे गाजे के साथ लोगो ने मनाई रंगपंचमी, दिनभर रही चहल-पहल

ओज कवि अशोक त्रिपाठी ने गायत्री मंदिर सभागृह नरसिंहपुर में रंगपंचमी उत्सव में व्यक्त किये।

सूने रहे बाजार, गलियों मे रही रौनक

रंगपंचमी अवसर पर नगर के लगभग सभी बाजार बंद रहे। यहां सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के शटर गिरे हुए नजर आये। बाजार तो बंद दिखे ही, नगर के भीतरे हिस्सों, गलियों की दुकानें भी बंद रहीं, और लोगों को चाय, नाश्ते तक के लिए परेशान होना पड़ा। हालात यह थे कि चाय, पान की इक्का-दुक्का होटलें ही खुली नजर आ रही थीं। रंगपंचमी के दिन काफी चहल पहल रही लोगो द्वारा एक दूसरे को रंग गुलाल से लाल कर दिया गया। रंग और गुलाल की बोरियां लेकर लोग बाजे गाजे के साथ रंग लागने निकले और पूरे वातावरण को रंगीन बनाते रहे। वही लोगो द्वारा बाजो की धुन पर जमकर डांस भी किया। रंगपंचमी के दिन भर चहल पहल बनी रही। माना जाता है कि रंगपंचमी पर अबीर-गुलाल, हल्दी और चंदन के साथ ही फूलों से बने रंग आसमान में उड़ाने से राजसिक और तामसिक शक्तियों का प्रभाव कम होकर मन में सात्विक भाव आता है। इससे सभी देवी-देवता बहुत ही प्रसन्न होते हैं। सुबह से ही रंग पंचमी का रंग लोगों के चेहरों पर नजर आ रहा था। नगर में हर गली हर मोहल्ले में रंग पंचमी का उत्साह देखा गया। उत्साही युवाओं एवं बच्चों ने सुबह से दोपहर तक अपने मित्रों और परिचितों को रंग गुलाल से सराबोर किया।

खेलकूद का आयोजन

रंगपंचमी पर जाट महिला सभा द्वारा होली एवं रंग पंचमी मिलन एवं खेलकूद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन का किया गया। विविध कार्यक्रमों के बीच महिलाओं ने गाते बजाते हुए रंगों के पर्व पर होली मिलन उत्सव श्रीमती उजाला नारोलिया के निवास वीआईपी स्कूल परिसर में मनाया । इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने एक दूसरे को रंग गुलाल से सराबोर किया एवं कई महिलाओं ने विचार रखे। समाज और क्षेत्र के विकास में योगदान देने का संदेश देते हुए सामाजिक कुरीतियों को मिटाने का आह्वान किया। शिक्षा पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान ज्ञानवर्धक व मनोरंजक प्रतियोगिता भी हुई। समाज की अध्यक्ष मिथिलेश जाट विचार रखते हुए मृत्यु भोज बंद करने पर सभी से गंभीरता से विचार करने का निवेदन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगठन की सदस्य और पदाधिकारी मौजूद थी।

मंत्री श्री पटेल ने खेली होली

बुंदेलखंड की ऐतिहासिक रंग पंचमी परंपरा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन के तत्वाधान में रंगो उत्सव एवं होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल भाजपा जिला अध्यक्ष राम स्नेही पाठक गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेतागण, जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता मातृशक्ति व क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे रंगोत्सव की शुरुआत नगर के प्रसिद्ध राम मंदिर मे श्री रामलला जी को रंग, गुलाल अर्पित कर की गई तत्पश्चात उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नेताओं व एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं प्रेषित की श्री राम मंदिर से प्रारंभ हुआ चल समारोह मुख्यमार्ग से होते हुए आनंद मंगल भवन पहुंचा चल समारोह के दौरान झांकियों व जुलूस पर स्थानीय लोगों ने रंग व पुष्पो की वर्षा कर स्वागत किया। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा द्वारा दी गई।

गौरैया के घोसले तैयार करते हैं आदित्य

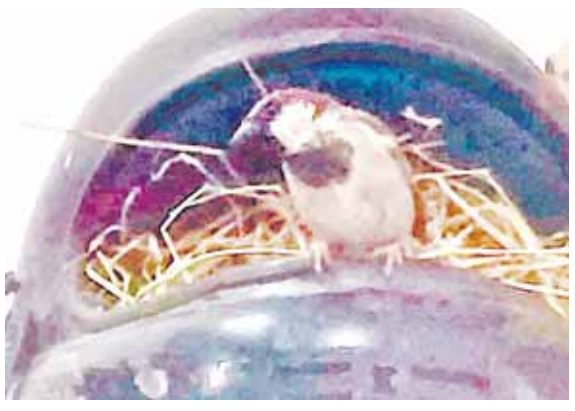

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ग्राम नोन पिपरिया तहसील गोटेगांव के आदित्य राज भट्ट गौरैया चिड़िया के घोसले तैयार करते हैं और उन घोसले से हर वर्ष 10 से 12 चिड़िया की वृद्धि करते हैं। इस वर्ष आदित्य कुछ नया करके दिखाया है, इस वर्ष हेलमेट के अंदर चिड़िया के घोसले तैयार किए हैं ताकि कुत्ता बिल्ली बाज कौवा से इनके अंडो एवं बच्चों को नुकसान ना हो सके। हेलमेट से इंसानों की तरह गौरैया परिवार की रक्षा हो सके, इंसान भी हेलमेट गाड़ी चलाते समय उपयोग करें और सुरक्षित रहें। अगर आप भी गौरैया का कुनबा बढ़ाना चाहते हैं तो जहां आप निवास करते हैं, उस जगह चिड़ियों के घोसले तैयार करें, जब चिड़िया आने जाने लगे तो घोसला से छेड़छाड़ ना करें, वरना चिड़िया आना बंद कर देती है। सीलिंग फेन न चलावे उससे चिड़िया की जान जा सकती है हमें थोड़ा घास फुस लाना पड़ता है उसके बाद चिड़िया अपनी पसंद की घास लाती है और अंडे देती है जब चिड़िया अंडे देती है तो चिरवा इंसानों की तरह चिड़िया के लिए खाने का इंतजाम करता है। चिड़िया के अंडे से बच्चे हो जाते हैं तो चिड़िया चिरवा दोनों मिलकर बच्चों के लिए नरम कीट पतंग का इंतजाम करते हैं ताकि बच्चों के पेट भी भर जाए और पानी की भी पूर्ति हो सके । आप भी प्रयास कीजिए ताकि गौरैया परिवार में वृद्धि हो सके।

काया ने मनाया खुशी के मायने समझाता अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। 20 मार्च को अखिल विश्व में खुशी या प्रसन्नता का दिन मनाया जाता जिसका उद्देश्य आज के तनाव, अवसाद, चिंता व भागदौड़ से भरे महौल में खुशी के दो पल तलाशना है। हम सब कस्तूरी मृग की तरह खुशी को बाहर किसी जगह या वस्तु में ढूंढते जबकि, वह तो हमारे अंदर ही छिपी हुई है। फिर भी हमें लगता कि, फलाना वस्तु या सुविधा या सामान या नौकरी या मनचाहा वरदान मिल जाये तो हम खुश हो जाएंगे तो इनकी प्रतीक्षा में हम अनजाने में वर्तमान की खुशी भरे क्षणों को भी नजरअंदाज कर देते हैं। कुछ ऐसी ही गहरी व उद्देश्यपूर्ण बातों का संदेश देने राज्य आनंद संस्थान की मास्टर ट्रेनर और माध्यमिक शिक्षिका मुक्ति राय ने काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर में कुछ बड़ी ही रोचक और आनंददायक गतिविधियां उपस्थित सदस्यों को करवाई। उनसे उनके बचपन के नाम याद करने को कहा जिस नाम से प्यार से उनके माता-पिता उनको पुकारते थे और जो उन्हें खुशी देते थे इसके साथ ही उनको अपनी शक्ति व कमजोरी को समझने के लिए भी प्रेरित किया। इसके अलावा मिरर एक्टिविटी के जरिये उन्हें उनके ही अंदर के व्यक्तित्व से मिलवाया और यह बताया कि, जिस तरह से दर्पण में हमारी ही छवि का प्रतिबिंब उभरता और जैसा-जैसा हम करते वैसा-वैसा करता ठीक उसी तरह हमारे कर्म ही फल के रुप में परिणित होकर हमारे पास वापिस आते अतः हम सजग होकर अपना हर कार्य करें। काया संस्थान की सह-संचालिका सूश्री इंदु सिंह ने सभी से उनकी खुशी को एक शब्द में बताने के लिए कहा जिससे वे जान सकें कि, वास्तव में खुशी क्या है तो काया की ही सह-संचालिका नमिता जनोरिया ने सबको किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार गीत के बोलों पर नृत्य करवाते हुए बताया कि, जीना इसी का नाम है। सभी उपस्थित सदस्यों कुसुम साहू, रचना त्रिवेदी, नीता भारद्वाज, उर्वशी पाठक, कीर्ति साहू, पूर्वी, अंजली, स्वाति सिंह, जया विश्वकर्मा, निकिता साहू, मीना शर्मा, स्नेहा जैन आदि ने इन सभी गतिविधियों का भरपूर आनंद उठाया।

मंजूलता कोरी का निधन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शंकर वार्ड निवासी श्रीमती मंजूलता कोरी पत्नी स्व. हरिओम कोरी घड़ीसाज 45 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में सभी वर्ग के लोगों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वे पत्रकार विनोद कोरी एवं पेंटर राकेश कोरी की भाभी एवं कुलदीप कोरी की माता जी थी।

रोजगार पंजीयन शिविर का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में सुरक्षा जवान व सुपरवाईजर के 500 पदों पर भर्ती के लिए पंजीयन शिविर का आयोजन विकासखंड स्तर पर किया जायेगा। सुरक्षा जवान व सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती के लिए 20 मार्च को मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यालय जनपद पंचायत गोटेगांव में प्रातः 10.30 बजे से सायं 4 बजे तक पंजीयन शिविर का आयोजन किया जायेगा। उक्त पदों की भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यता 10 वीं से स्नातक होनी चाहिये। साथ ही शारीरिक मापदंड, 18 से 35 वर्ष की आयु, 167.5 सेमी, 56-90 किग्रा वजन और 80 से 85 सेमी छाती होना आवश्यक है। शेष शर्ते भर्ती अधिकारी एवं कंपनी के मापदंड के अनुसार लागू होंगे।

जिला अस्पताल में लगी आग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीती रात जिला अस्पताल परिसर मे में खड़ी कबाड़ हो चुकी 108 एंबुलेश मे आग लग गई। आग लगने की जानकारी के लगते ही अस्पताल प्रबंधन द्वारा फायर बिग्रेड को बुलाया गया तब जाकर आग मे काबू पाया गया। हालांकि उक्त घटना मे किसी प्रकार की कोई जनहानि नही हुई। ज्ञात हो कि पूर्व मे भी जिला अस्पताल परिसर में खड़ी कबाड़ 108 एबुलेंस मे आग लग चुकी थी जिसे लेकर अस्पताल प्रशासन द्वारा उन्हे हटाने के निर्देश दिये थे लेकिन उन्हे हटाया नही गया और पुनः वही घटना दोबारा हुई।

सर्पदंश से महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस गुड़ भट्टी पर काम करने आई महिला की सर्पदंश मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुनील पटेल निवासी रांकई पिपरिया के यहां गुड़ भट्टी पर काम करने आई महिला राकई राम बाई पति सोनू साकेत निवासी जिला मैहर को काम करते समय सर्प ने काट दिया जिसे उपचार स्वास्थ्य केन्द्र करेली ले जाया गया जहां पर हालत बिगड़ने पर जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग प्रकरण तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।